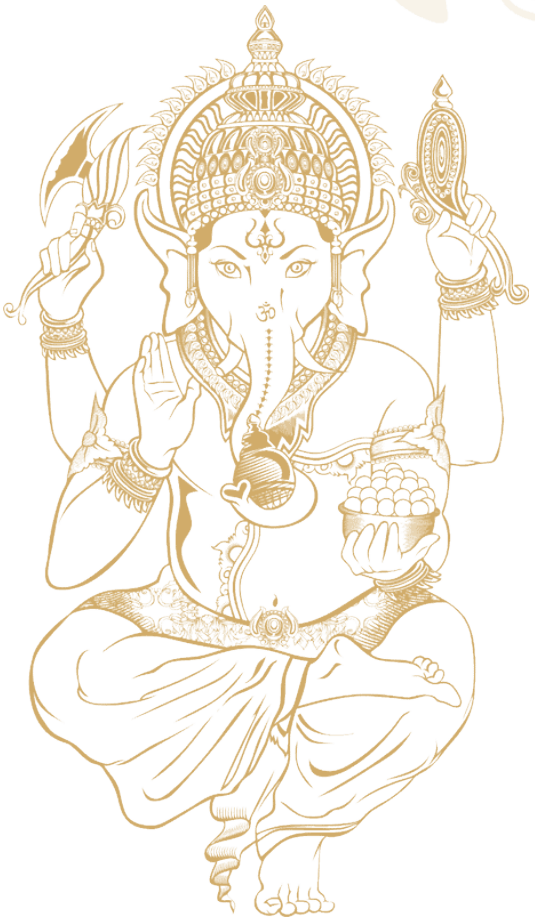

Omdevi

30 Nov 2004

09:00 PM

Hardoi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120905107

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30/11/2004**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**21:00:00 घंटे**
इष्ट	35:45:07 घटी
स्थान	**Hardoi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:23:00 उत्तर
रेखांश	80:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:50:24 घंटे
वेलान्तर	00:11:16 घंटे
साम्पातिक काल	01:29:46 घंटे
सूर्योदय	06:41:57 घंटे
सूर्यास्त	17:14:48 घंटे
दिनमान	10:32:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	14:51:01 वृश्चिक
लग्न के अंश	07:07:02 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुक्ल
करण	बव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:07:02	308:59:03	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	14:51:01	01:00:48	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	26:31:55	11:51:02	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
मंगल			तुला	19:04:21	00:40:24	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	सम राशि
बुध	व		धनु	02:49:10	00:01:21	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			कन्या	19:15:20	00:09:44	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	16:04:41	01:14:25	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		कर्क	02:57:31	00:02:26	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	07:34:17	00:06:50	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	07:34:17	00:06:50	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	09:06:04	00:00:58	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	19:04:13	00:01:13	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	27:37:47	00:02:13	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मेष	00:18:36	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:23

लग्न-चलित

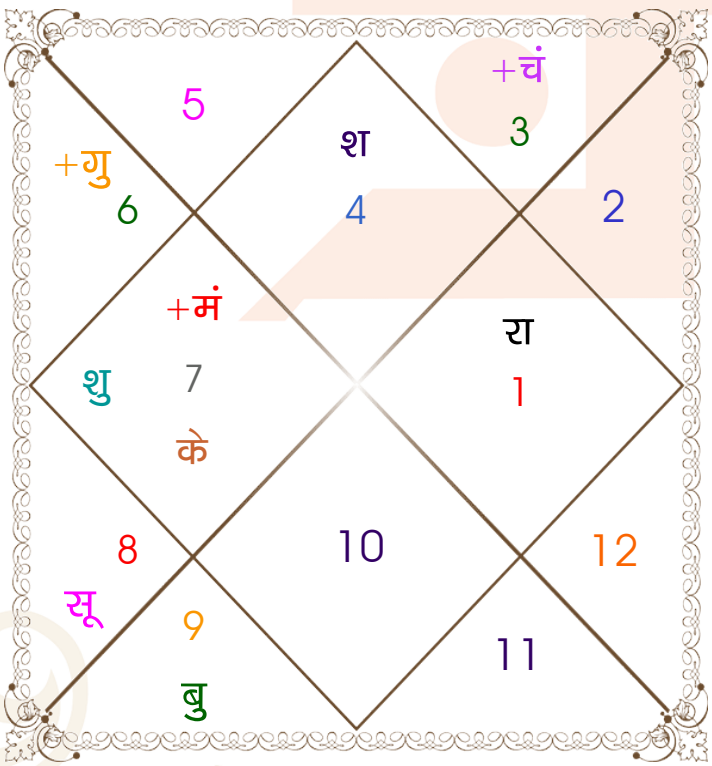

चन्द्र कुंडली

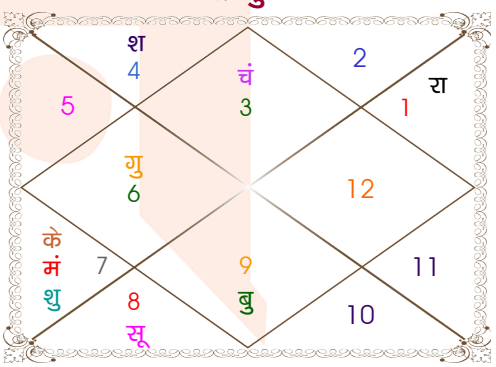

नवमांश कुंडली

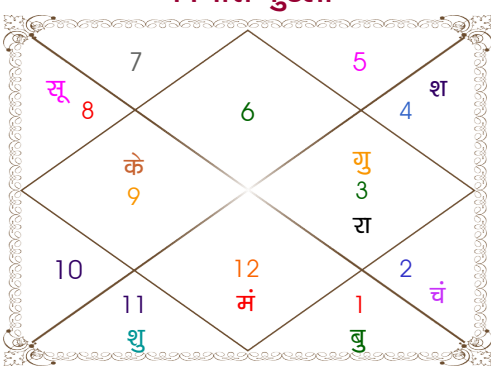

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 8 वर्ष 1 मास 28 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/11/2004		28/01/2013		29/01/2032		28/01/2049		29/01/2056	
28/01/2013		29/01/2032		28/01/2049		29/01/2056		29/01/2076	
	00/00/0000	शनि	01/02/2016	बुध	27/06/2034	केतु	27/06/2049	शुक्र	31/05/2059
	00/00/0000	बुध	11/10/2018	केतु	24/06/2035	शुक्र	27/08/2050	सूर्य	30/05/2060
	30/11/2004	केतु	20/11/2019	शुक्र	24/04/2038	सूर्य	02/01/2051	चंद्र	29/01/2062
केतु	11/12/2004	शुक्र	20/01/2023	सूर्य	28/02/2039	चंद्र	03/08/2051	मंगल	31/03/2063
शुक्र	12/08/2007	सूर्य	02/01/2024	चंद्र	30/07/2040	मंगल	30/12/2051	राहु	31/03/2066
सूर्य	30/05/2008	चंद्र	02/08/2025	मंगल	27/07/2041	राहु	16/01/2053	गुरु	29/11/2068
चंद्र	29/09/2009	मंगल	11/09/2026	राहु	13/02/2044	गुरु	23/12/2053	शनि	29/01/2072
मंगल	05/09/2010	राहु	18/07/2029	गुरु	21/05/2046	शनि	01/02/2055	बुध	29/11/2074
राहु	28/01/2013	गुरु	29/01/2032	शनि	28/01/2049	बुध	29/01/2056	केतु	29/01/2076

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
29/01/2076		29/01/2082		29/01/2092		29/01/2099		29/01/2117	
29/01/2082		29/01/2092		29/01/2099		29/01/2117		00/00/0000	
सूर्य	18/05/2076	चंद्र	29/11/2082	मंगल	26/06/2092	राहु	12/10/2101	गुरु	20/03/2119
चंद्र	16/11/2076	मंगल	30/06/2083	राहु	15/07/2093	गुरु	07/03/2104	शनि	30/09/2121
मंगल	24/03/2077	राहु	29/12/2084	गुरु	21/06/2094	शनि	12/01/2107	बुध	06/01/2124
राहु	16/02/2078	गुरु	30/04/2086	शनि	31/07/2095	बुध	31/07/2109	केतु	01/12/2124
गुरु	05/12/2078	शनि	29/11/2087	बुध	27/07/2096	केतु	19/08/2110		00/00/0000
शनि	17/11/2079	बुध	30/04/2089	केतु	23/12/2096	शुक्र	18/08/2113		00/00/0000
बुध	23/09/2080	केतु	29/11/2089	शुक्र	22/02/2098	सूर्य	13/07/2114		00/00/0000
केतु	28/01/2081	शुक्र	31/07/2091	सूर्य	30/06/2098	चंद्र	12/01/2116		00/00/0000
शुक्र	29/01/2082	सूर्य	29/01/2092	चंद्र	29/01/2099	मंगल	29/01/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 8 वर्ष 1 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि की कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति की आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगीं। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगी। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगी। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगी।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगी। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़ी भाग्यशाली होंगी।

आप गौरवर्ण की लम्बी दीर्घकाय महिला होंगी। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगी। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाली पेटू महिला हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपकी सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग की अनुगामी होंगी।

आप अपने पति के प्रति पूर्णतः समर्पित महिला है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करती हैं। आप निःसन्देह अपने पति से प्यार करती हैं। परन्तु आप बाहरी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहती ताकि अपने पति के साथ कोई गलती न हो जाए। आपके

लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपने पति के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़के के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्व निर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होती हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।